7. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य में जिन पूर्णतः विदेशी कथेतर विधाओं का आगमन हुआ है, उनका परिचय दीजिए।

8. एकांकी कला के आधार पर 'आवाज की नीलामी' एकांकी की विवेचना कीजिए।

9. कथेतर गद्य के विकास में भारतेन्दु हरिश्चंद्र के योगदान की समीक्षा कीजिए।

MAHD–05

June – Examination 2022

M.A. (Final) Examination

HINDI

(नाटक और कथेत्तर गद्य विधाएँ)

Paper : MAHD-05

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **4×4=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

1. (i) नाटक को परिभाषित कीजिए।

   (ii) 'नदी प्यासी थी' एकांकी के रचनाकार का नाम बताइये।

(iii) मोहन राकेश के किन्हीं **तीन** नाटकों के नाम लिखिए।

(iv) 'डायरी' विधा को परिभाषित कीजिए।

(v) 'अंधायुग' के कथानक की **दो** विशेषताएँ लिखिए।

(vi) किन्हीं **चार** ललित निबंधकारों के नाम लिखिए।

(vii) 'चन्द्रगुप्त' नाटक के लेखक का नाम लिखिए।

(viii) नाटक के तत्त्वों का नामोल्लेख कीजिए।

खण्ड—ब **4×16=64**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''इस प्रतीक्षा में एकाएक उसका दर्द उस ढलती रात में उभर आया और सोचने लगा—आने वाली पिछली पीढ़ी की ममता की पीड़ा नहीं समझ पाती और पिछली पीढ़ी अपनी संतान के संभावित

संकट की कल्पना मात्र से उद्विग्न हो जाती है। मन में यह प्रतीति ही नहीं होती कि अब संतान समर्थ है, बड़े से बड़ा संकट झेल लेगी।''

3. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

''उसने निराशा से सिर हिलाया। औरत मुस्कुरा उठी। बोली—नहीं बचेगा ? कोई क्या करे ? तुम कोई भगवान तो हो नहीं। तुम्हारा क्या कसूर ? मरे तो मर जाए। क्या कर सकता हूँ ? छोड़ जाने का यह भी एक अच्छा तरीका है। और वह हँस पड़ी। उसकी हँसी में एक व्यथा के इतिहास का व्यंग्य छलछला आया और स्वर झनझनाकर बिखर गये।

4. 'आत्मकथा' को परिभाषित करते हुए प्रमुख आत्मकथाओं का परिचय दीजिए।

5. 'आधे-अधूरे' नाटक में शिल्पगत नवीन आयामों का विवेचन कीजिए।

6. गीति नाट्य के रूप में 'अंधायुग' की समीक्षा कीजिए।